

भारत नीलगाड, रायवड

16-12-1944
10/11/1944
Chandragan and ...
1/11/1944
1/11/1944

भारत नीलगाड, रायवड
1/11/1944
1/11/1944
1/11/1944
1/11/1944
1/11/1944

1/11/1944
1/11/1944
1/11/1944



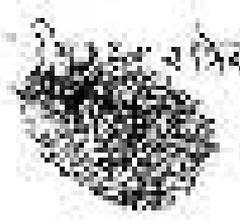
भारत नीलगाड, रायवड
1/11/1944
1/11/1944
1/11/1944



1800 304200

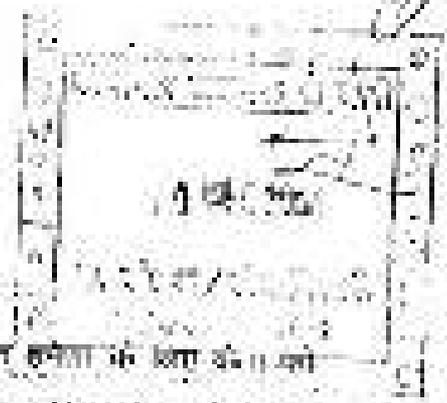
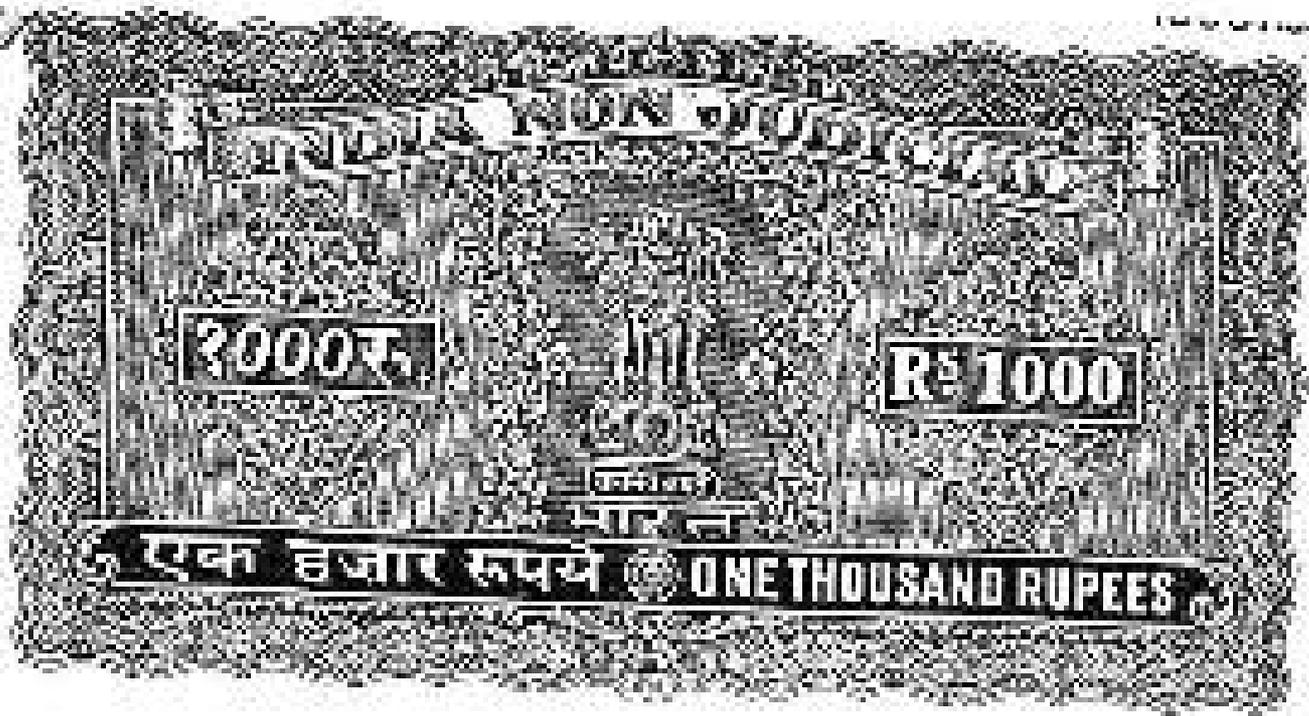
T. R. Y. L. K. O.
 कोषाचार अखण्ड से जारी
 नं. १०००००००००
 न. नं. १००००००००००
 बंजारा नगर
 T. R. Y. L. K. O.

विवेचना अपना सम्पूर्ण विस्तार अंश को इस विचार विवेक द्वारा निरूप
 कर रहा है विवेचनात्मक अवस्था सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कर्मचारी व पदाधिक
 है एवं वर्तमान समय में क्या भूमि पूर्ण भूमि है, और यह कि विवेचनात्मक
 यह पंक्ति करता है कि उपरोक्त पंक्ति भूमि वाली प्रकार के पारों से
 मुक्त एवं पाठ से साफ है क्या विवेचनात्मक में उसे इस विचार में पूर्ण करी
 नद, विच, गिरी का अनुभवित अंशानि नगी किया है। सम्पूर्ण भूमि का
 अंशानि नगी भाग किसी न्यायालय या सरकारी प्राधिकारी के अंतर्गत
 विवेक का वस्तु किया नहीं है, व ही पूर्ण अंशानि है। विवेचनात्मक के
 अंशानि नगी भूमि में किसी अर्थ व्यक्ति का स्वत्व, अंश का अंश अंशानि,
 नहीं है, एवं विवेचनात्मक का अंश निरूप अंशानि नगी का पूर्ण अंशानि



1800 304200

1800 304200



- 3 -

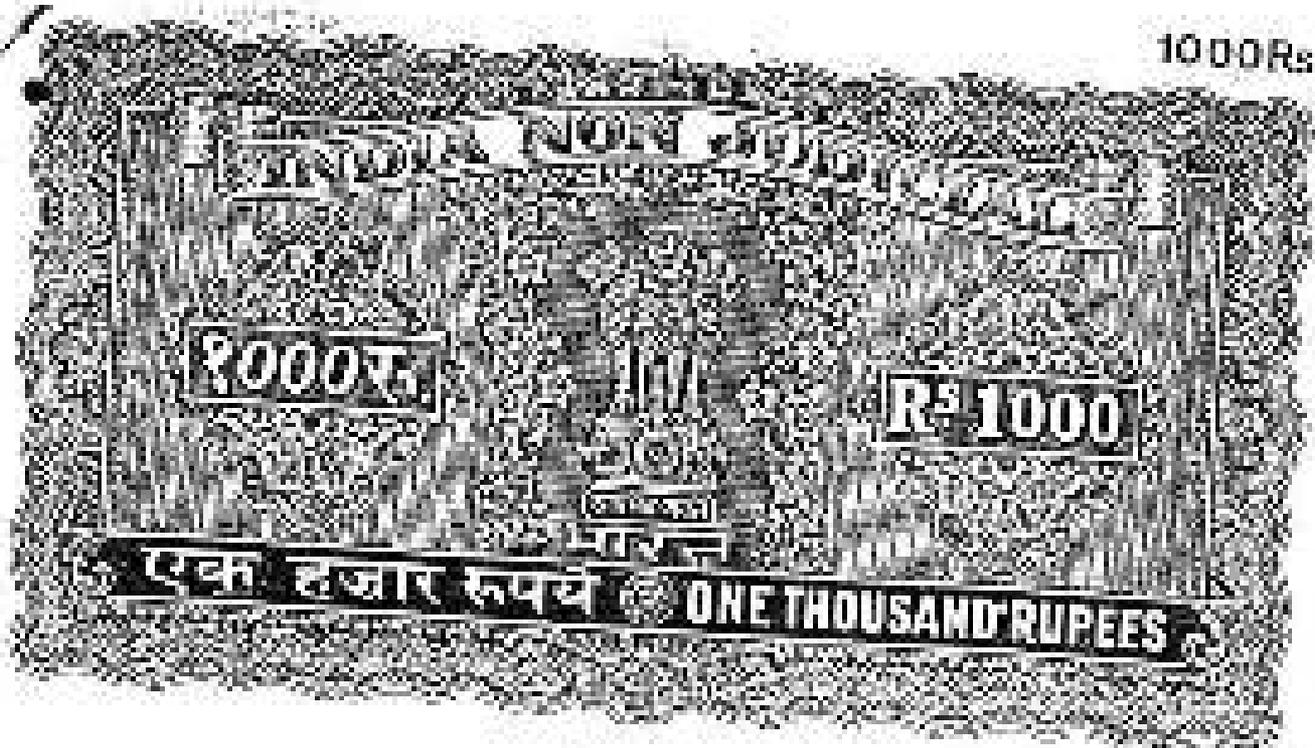
राज्यीय के लक्ष्य अधिकांश के साथ पूर्णता व समता के लिए बनाये
 उल्लासित कर दिए हैं। अब जैसा किस्मकृता सम्पत्ति एवं उसने सर्वोच्च
 मान को अपने कल्याण स्थापित व अधिकृत व कर्तव्य में सम्पत्ति के रूप
 में प्राप्त एक उपयोग व जननीय करेगा। विशेषतः उसमें किसी प्रकार
 की अज्ञानता का कोई उल्लेख नहीं है। न ही कोई कागज पर सम्पत्ति और
 यदि विमलकृता सम्पत्ति अथवा कोई अन्य विमलकृता को स्थापित में यदि
 ही कागज का प्रयोग अथवा वास्तुकी दृष्टि को कल्पित होता या उसमें
 अतिरिक्त निष्कारण इत्यादि को अपने या अधिकृत का स्वत्व या विपन्न
 जैसे ही होता उसके वारिदान, निष्कारण इत्यादि को वह एक संगत ही
 वह अपना सम्पत्ति अथवा स्व स्वामी व स्वामी, विशेषतः ही प्राप्त करेगा।

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

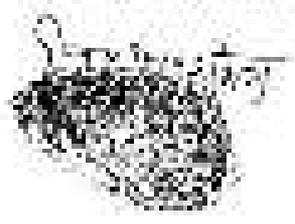
1000Rs.



सम्पत्ति से अधिक अदायगी बटवें करनी। उस दिने में विवेकपूर्ण रूप
उसके परिणाम होंगे व उन्हीं की हेतु बन्ना होगा।

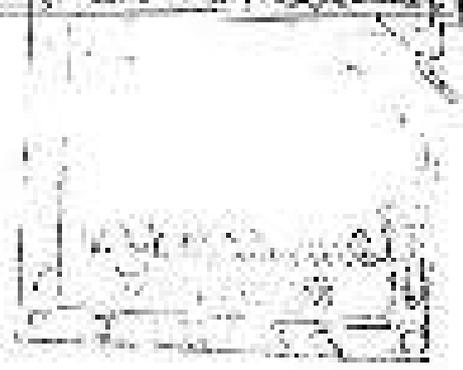
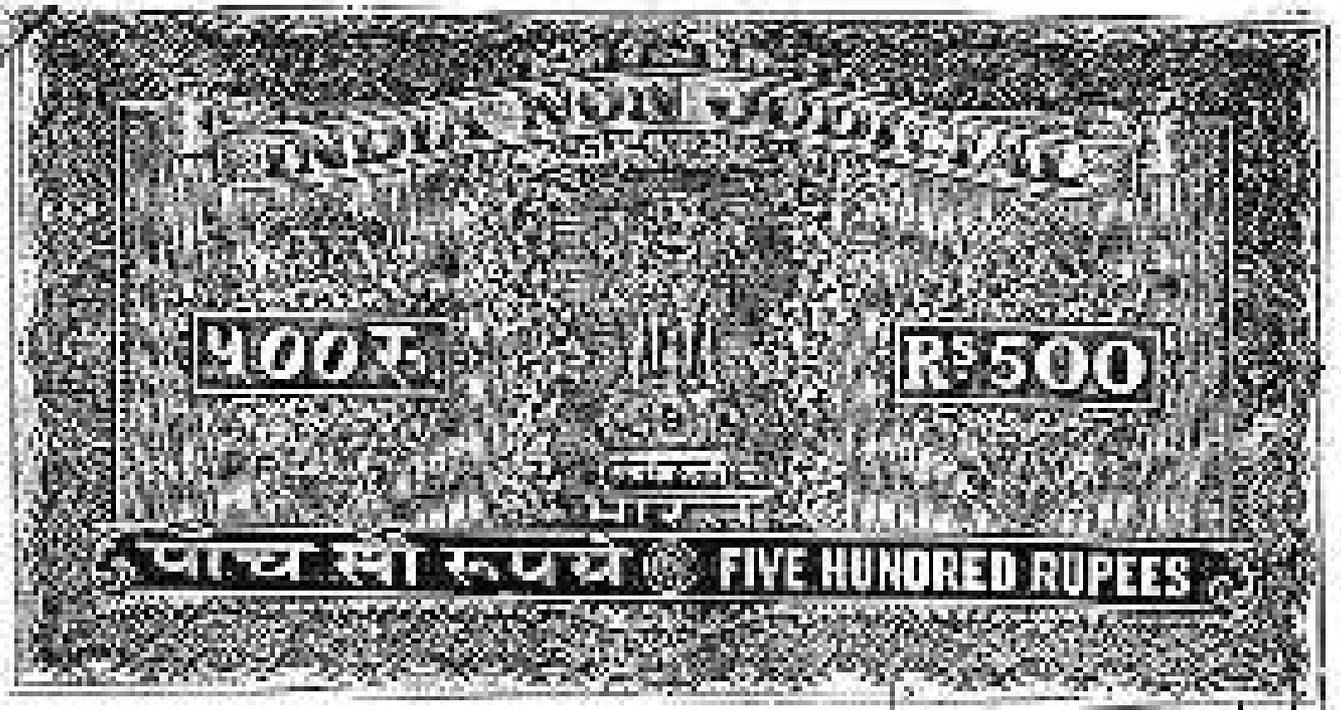
यह कि वही विवेकपूर्ण सम्पत्ति ही दक्षिण भारतीय संस्था अफिलेको में
अपनी नाम लेने के बाद ही जो विवेकपूर्ण को कोई सम्पत्ति व लेनी उदर का
है। इस विवेक निर्णय ही ही का अगर कोई बन्नाया विवेक लेने का यह
इस सम्पत्ति पर होगा जो उसको विवेकपूर्ण सुझाव व गहन करेगा
विवेकपूर्ण को कोई सम्पत्ति व होगी।

यह कि गरीबों लक्ष्य करने का सुझाव गरीब सुझाव, अल्पवर्षीय
ही व ही विवेकपूर्ण को अन्तर्गत करके है इसलिए निर्णयित सम्पत्ति से
उस का 100000- 1000000 के विवेक से विवेकपूर्ण की 0.000 विवेकपूर्ण



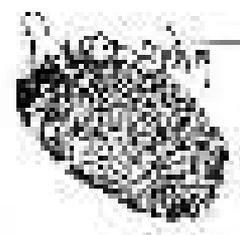
Signature and text at the bottom right, including a name and possibly a title.

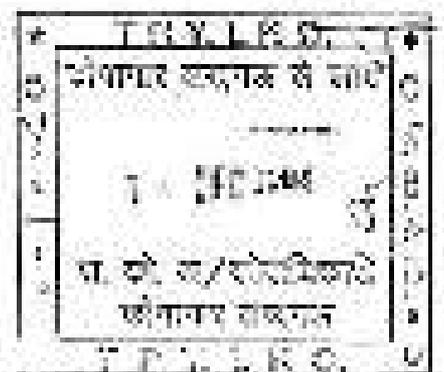
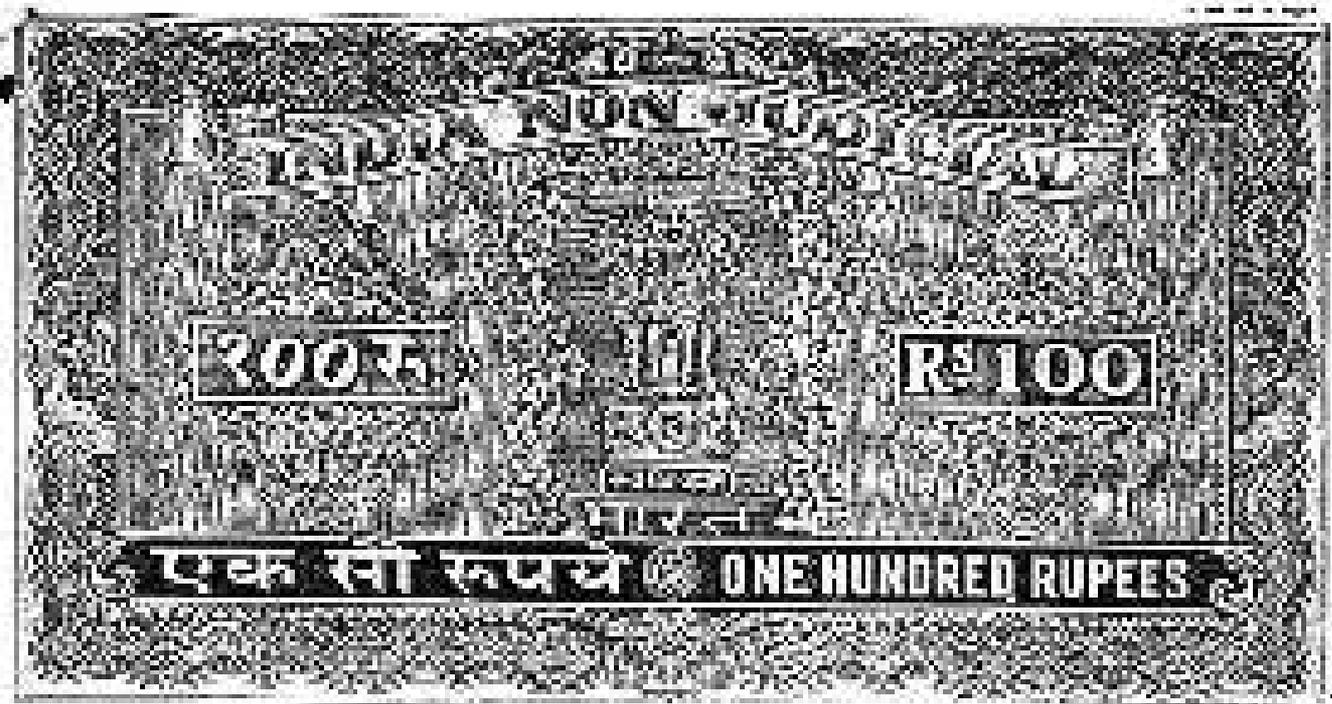




की मूल्यमत २७६,०००/- होती है। मुक्त विद्यालय मूल्य, भूमि की मूल्यमत मूल्य से अधिक न इरादतित विद्यालय-मूल्य विद्यमान मूल्य २२ ही २२ ६७,६००/- समस्त मूल्यमत मूल्य मिला जा रहा है। यह कि व्ययगत विद्यालय मूल्य भूमि की मूल्यमत के लिए मूल्य की जा रही है। इन भूमि में कोई भूमि, साजसज्जा व निर्माण कार्य नहीं है, तथा २०० मीटर की आयतनास में कोई निर्माण नहीं है। निर्मित भूमि विन्सी निज मूल्य, मूल्यमत व अन्यगत मूल्य पर मिला नहीं है। निर्मित भूमि सुजानपुर रोड की समस्त ही विद्यालयों के अधिक भूमि पर मिला है। निर्मित मूल्य अग्रभूमि मूल्यमत का मूल्यमत नहीं है। इस मूल्यमत मूल्यमत की मूल्यमत का समस्त मूल्य मत द्वारा २०० मिला गया है।

...





- 8 -

परिभाषा : विवरण विवरणसूची सम्पत्ति का विवरण

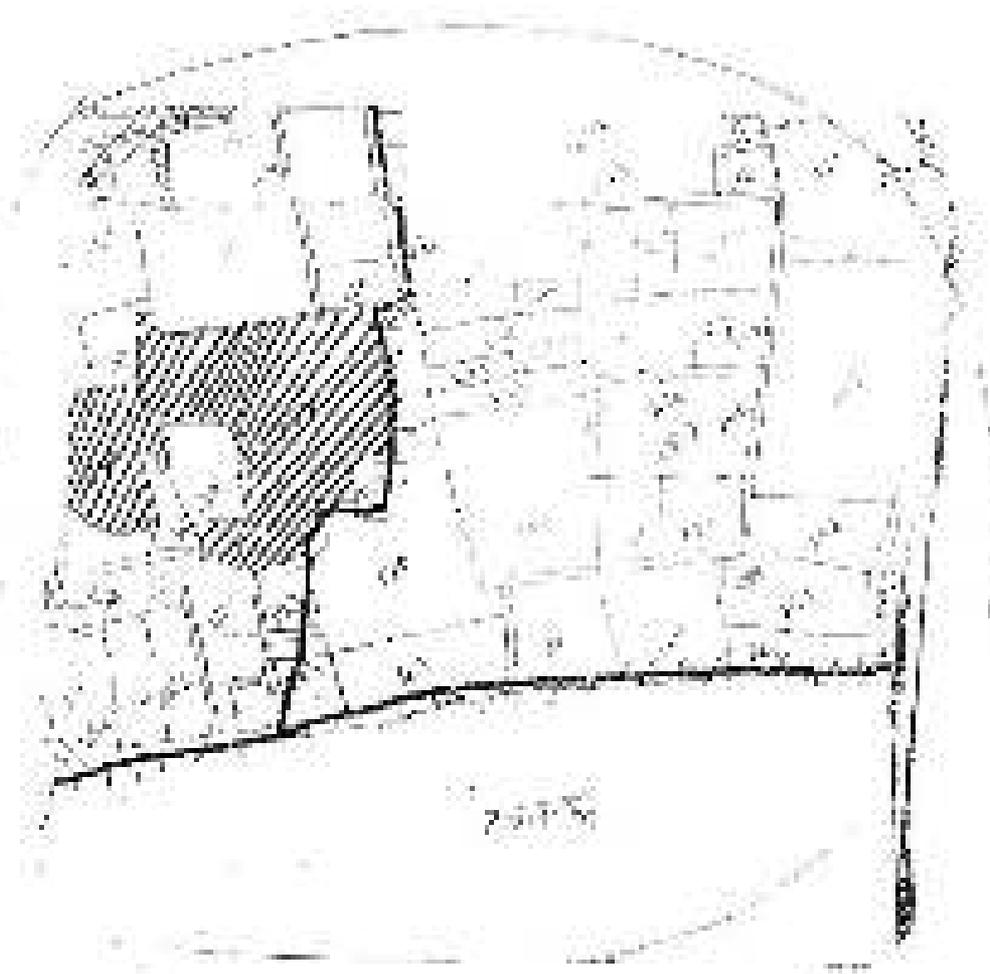
मुनि अक्षरा नं० 124 तारीख 0.26.63 इस्टिमेट, सिविल भाग
 मुंबई नगर पंचायत, बराला - विन-सी-2, लखीबाग व विल्लत- लखनऊ
 विसयी बी.बी.डी. का है।

अक्षरा नं० 124 तारीख 0.26.63 इस्टिमेट

- | | |
|--------|-------------------|
| पूजा | लखनऊ संख्या-125 |
| पानपान | अक्षरा संख्या-126 |
| ऊपर | अक्षरा संख्या-127 |
| वर्षा | अक्षरा संख्या-128 |



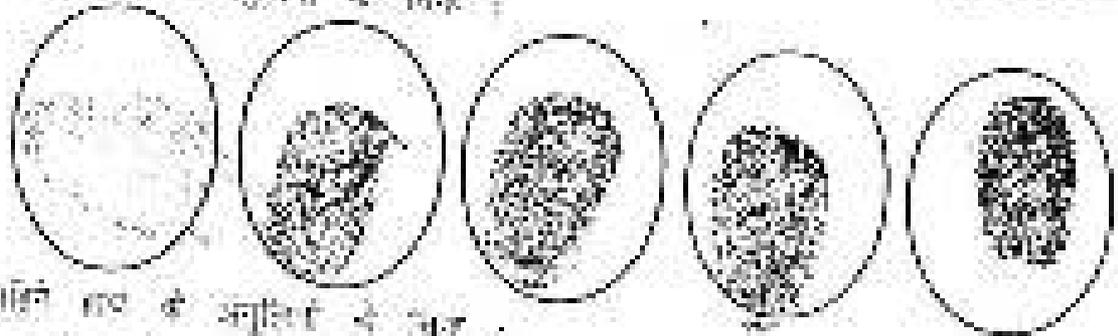
Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header, written in a cursive script.



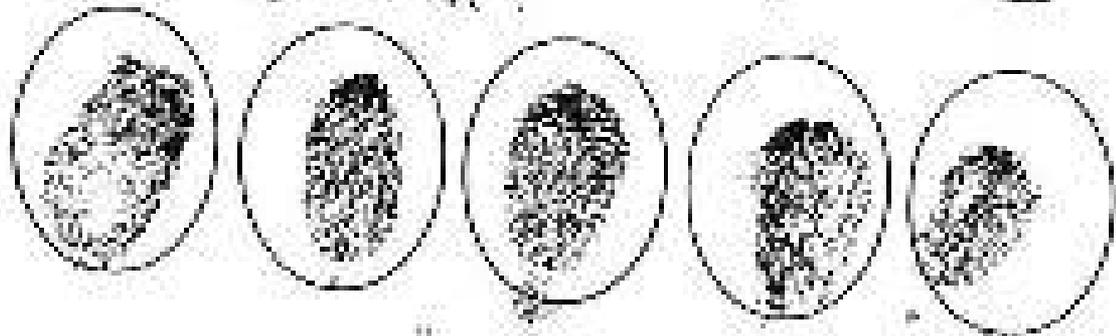
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन
 हेतु फिंगर प्रिन्ट्स

अनुसूचित/विशेष का नाम व पता : ...

यह आंग के अंगुलियों के निश

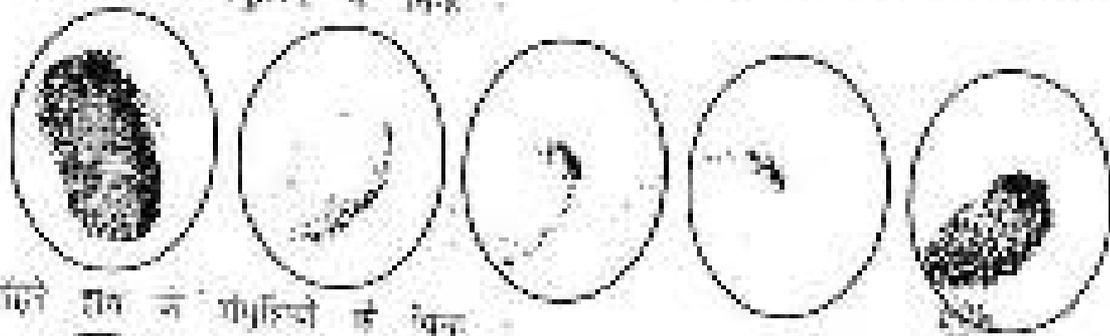


दोसरे हाथ के अंगुलियों के निश :

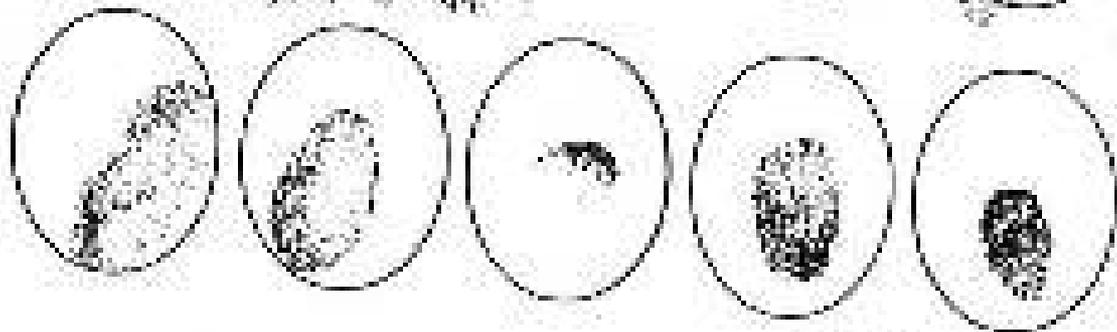


अनुसूचित/विशेष का नाम व पता : ...

यह आंग के अंगुलियों के निश



दोसरे हाथ के अंगुलियों के निश



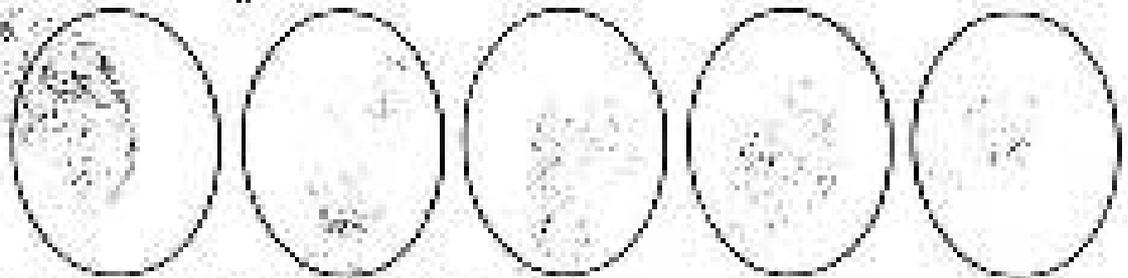
... के निश

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए, के अनुसार

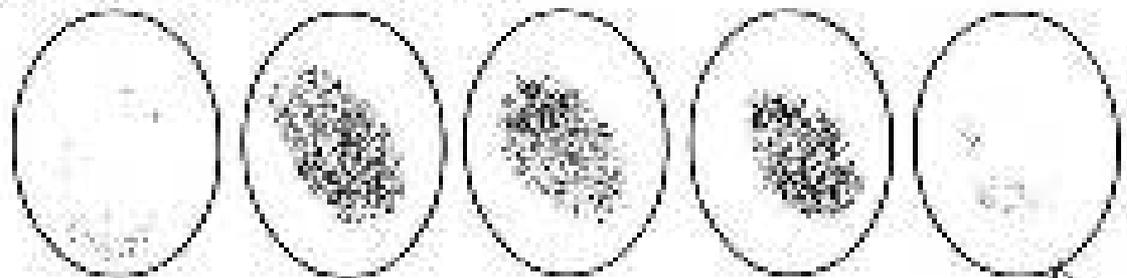
हम फिरोज़ प्रिन्स

पत्तनकार/निर्देशक का नाम व पता : डॉ. जे. ए. ए. 25, जवाहर नगर, दिल्ली-110029
संस्था का नाम : डॉ. ए. ए. ए. 25, जवाहर नगर

यह डाक के अंगुलियों के निम्न :



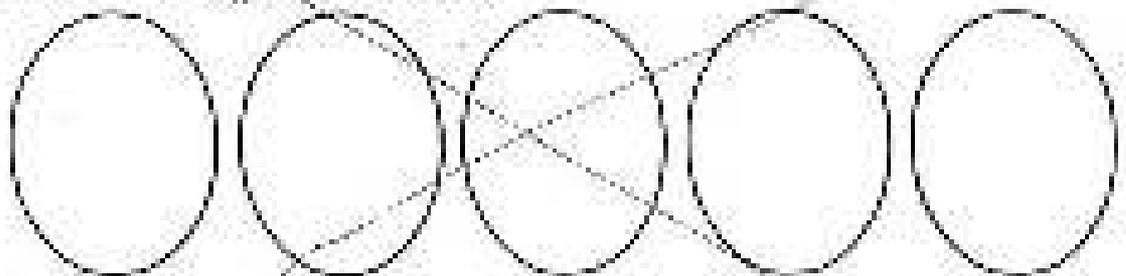
सही रूप के अंगुलियों के निम्न :



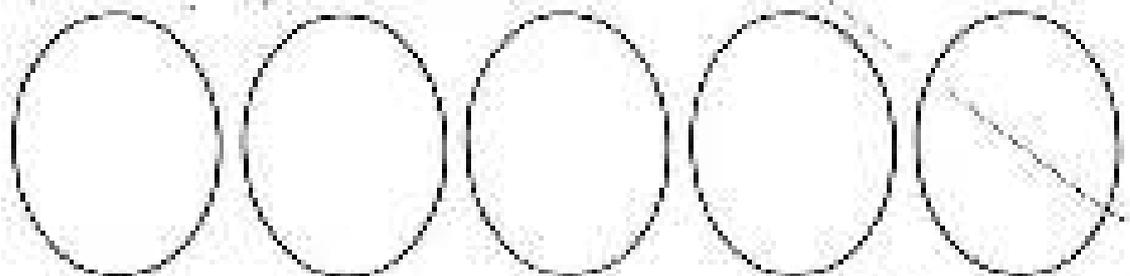
पत्तनकार/निर्देशक का नाम व पता : डॉ. ए. ए. ए. 25, जवाहर नगर

पत्तनकार/निर्देशक का नाम व पता :

यह डाक के अंगुलियों के निम्न :



सही रूप के अंगुलियों के निम्न :



पत्तनकार/निर्देशक का नाम व पता :

